37	नन्यावर्तप्रभृतया विच्छन्दा म्राधवेश्मनाम्।	
38	समुद्रः संपुरः॥ १९०१ ॥ निम सिक्काक्रिकार्थाः	
39	पेटा स्याद्मञ्जूषा- जारक तंत्रीक जिल	1.00
40	य शोधनी ॥ १०१५ ॥	440
41	संमार्जनो बङकरी वर्धनो च समूक्नो । जागुजी वर्षना	1
42	संकर्गवकरे। तुल्या-॥ जन्म हिमान्स्राम	and ,
43	वुद्रावलमुलूबलम् ॥ १०१६ ॥	9
44	प्रस्पोरनं तु पवन-	-
45	॥ १९०१ ॥ मवद्यातस्तु कएउनम्।	
46	करः किलिन्ना	6
47	। एक मुसलो ज्योज्यं अवन भागक मुख्योप	
48	काउं लिकः पिरम् ॥ १०१७ ॥	
49	चालनी।तितउः॥ विक्रमितिकाणीरःन	9
50	व्रूर्प प्रस्पे। हन- वर्ष प्रस्पे। वर्ष प्रस्पे।	
51	मानाम महामित्रमानिकामना	-
52	चुट्यश्मत्तकमुद्धानं स्याद्धिश्रयणी च सा ॥ १०१८ ॥	196
		3

37. Gebäude der Reichen in Form von verschiedenen mystischen Diagrammen. — 38. Kästchen zum Aufbewahren von Schmucksachen u. s. w. (2 W.). — 39. Korb zum Aufbewahren der Kleider u. s. w. (2 W.). — 40. 41. Besen (5 W.). — 42. Kehricht (2 W.). — 43. Mörser (2 W.). — 44. Dreschen, Entfernung der Spreu (2 W.). — 45. Entfernung der Hülsen durch's Stampfen im Mörser (2 W.). — 46. Matte (2 W.). — 47. Mörserkeule (2 W.). — 48. Korb aus Bambusblättern u. s. w. (2 W.). — 49. Sieb (2 W.). — 50. Schwingkorb zur Reinigung des Korns (2 W.). — 51. 52. Ofen (5 W.).